28-5-67 ओम शान्ति प्रात क्लास

विश्व की शान्तिः के लिये बाप को आना पड़ता है। बच्चे जानते है कि शरीर तो यहीं ही रहेगा। फीचर्स बदलते जाते है। बाप कहते है कि हमको कल्प बाद फिर भी यही शरीर मिलगा। 84जन्म जो लिये है एक नां मिले दुसरे से। फिर भी ऐसे ही होगा। तुम हो देखेगें। तुम्ही आकर फिर मैर से नालजे सुनेंगें। बच्चो को निश्चय है कि ज्ञान सागर से मिले ड्रामा अनुसार फिर से राजयोग सीरव रेह है। फिर यह फीचर्स कल्प कल्प बाद होगें।ब्रहमा के भी यही। तुम स्टुडण्डस के भी यही फीचर्स होगें। यह बाते बाप ही बेठ सुनाते है। दुनियां में विश्व की शान्ति का किसको भी पता नहीं है।तुम बच्चे जानते हो कि विश्व मे शान्ति तो नेय विश्व मे ही होगी। पुराने विश्व मे कैसे होगी। विश्व पर शान्ति स्थापन कर रेह है श्रीमत पर। शान्ति और अशान्ति गाई जाती है। तुम जानते हो कि हम आत्माओं का निवास स्थान है ही शान्ति धाम। और सतयुग अशान्तिः की बात ही नही होती। बाप अभी स्थापन कर रेह है। यह राजयोग का ज्ञान फिर भी संगम ही मिलगा।तुम बच्चे जानते हो कि हम ही भिन्न-2 नाम रुप से पार्ट बजाते है। फिर बाप आये है ना परिचय दे रेह है। कहते है कि मै साधारन तन मे प्रवेश करता हूं। मुझे प्रकृती का आधार लेना पड़ता है। अभी यह तुम्ही समझते हो। कोई मनुष्य कह नही सकते है कि भगवान पढ़ाते है। हम बेहद के बाप से बेहद का वर्सा ले रेह है परन्तु बहुत भूल जाते है। देही-अभिमानी बनने मे बडी मेहनत लगती है। देखना चाहिये कि मै अपनी अवस्था को ठीक रखता हूं। कोई मैर मे अवगुण तो नही है? नही तो हम ऊंच पद पा नही सकेंगें। अपने को मियां मिठूं नही समझना होता है। विश्व शान्तिः पर तो तुम कहीं पर भी भाषण कर सकते हो। बाप बिना विश्व पर शान्तिः कोई स्थापन कर नही सकता। बाप जब आवे तब विश्व पर शान्तिः हो। बाकी तो दुनियां में है ही भक्ति। बोलो अभी हम शिव बाबा द्वारा ज्ञान ले रेह है। बाकी दुनियां में है ही सारी भक्ति दुर्गति केलिये। समझना है ज्ञान दिन, भक्ति रात। तो दुर्गति ही हुई नां। सदगति बापकरते है। दुर्गति माना ही अशान्तिः। दुनियां में कितनी अशान्ति है फिर शान्ति जरुर आनी है। बच्चो को कोई नवाई नही देखने मे आती है। बाकी बुढियां आद है वो बाप को तो याद कर सकती है नां। बाप के साथ लव होना चाहिये। बाप-दादा दोनो ही बाईस्ट है। तो बच्चो को रिर्गाड रखना पडे नां। बाप का भी रिर्गाड तो दादा का भी रिर्गाड रखना है। दोनों ही तुमको पढाते है। दोनो इकठे तुमको सिखाते है। दो इंजिन तुमको मिले हुये है शान्तिः धाम जाने के लिये। कितनी बडे ते बडी इंजिन है। शास्त्रों कथाये कितनी लिख डी है।भक्ति मार्ग की कहानियां है। अथाह ढेर की ढ़ेर कथाये है। अब यह तुमको सब भुल जाना है।वेदो के लिये भी बाबा ने बहुत समझाया है कि उनकी कोई एम आब्जेक्ट है नही। राजयोग का एक ही गीता शास्त्र है।पढ़ाने वाले एक ही शिव बाबा संगम युग पर आते है। वेदो आद की बात हो नही है।परन्तु भक्ति मार्ग वाले है अपनी जिद पर। तुम्हारी बात को मान लेवे तो कमाई खलासहो जावे। सारी इज्जत ही खलास हो जावे। बाप जो ज्ञान का सागर है वो ही तुमको बेठ पढ़ाते है। बाप कहते है मेरा नाम कैसव्यो पर रख दिये है। हमारा कर्तव्य ही अच्छे है कि पवित्र बनाना और सृष्टी की आदि मध्य अन्त का ज्ञान सुनाना। मायारावण ने तुमको जंगली जनावर से भी बदतर बना दिया है।बच्चे समझते है किहम तो क्या थे और अब क्या बने है। बाप कहते है कि मुझे पुकारते ही है कि हमे पतित से आकर पावन बना कर ले जाओ। कालो का काल बाप कहते हैकि मै सबकी आत्माओं के लिये ही वापस ले जाने आया हूं। जानते हो विनाश होना है। कल्प पहले भी ऐसे ही विनाश हुआ था। यह भी समझते हो कि पुरानी दुनियां खत्म होकर नई दुनियां की स्थापना हो जानी है। आज यहां है तो कल से फिर नई दुनियां में होगें। बच्चे सुनते है समझते है कि हमको पढ़ाने वाला बाप है। स्मृती रहनी चाहिये। यहां बाहर का कोई भी झंझट नही है। काम आद कुछ भी करते हुये बाप को याद करो। अपना चार्ट देखो कि कितने याद मे रह कर विकर्म विनाश किये है। बाहर मे तो गोरख धन्धे मे रहते है। यहां अच्छी रीती रिफ्रेश

बाहर मे तो गोरखरव धन्धे आद मे रहते है। यहां तो कोई धन्धा आद है ही नही। यहां अच्छी रीती प्रिकैश हो सकती है। यहां कोई धन्धा आद तो रवा नही है। फुरफुरसत मिलती है तो यहां एकान्त मे बेठ कर स्मृती मे रहो। आपस मे मिल कर भी बेठ सकते हो। यहां याद एक को ही करना होता है। अपने को आत्मा समझ उनको याद करना है। तुम जानते हो कि आत्माओं और परमात्मा का मिलन है। ब बेहद के वाप साथ हम बेठते है रवाते है पीते है। डायरेक्शन लेते है कि पोतामेल दिखाना है। जिसको दिखाने से तुम्हारे पाप हल्के हो जावेंगे। दिन प्रति दिन पापात्मा तो बनते ही आते है। पापों का बोझा इसी जन्म मे उतारना है। अपने पर ही तरस करना है। बाप सिखाते है कि अपने पर तरस=कैसे करो। जितना चॉट रखते है उतना समझो कि विकर्म विनाश होते ही जाते है। बाप कहते है कि कोटो मे कोई ही पूरी रीती जानते है। नां आत्मा को नां परमात्मा को जानते है तो जनावर से भी बदतर ठहेर नां। फिर माया जीत पाने लिये लायक बनते हो। अब फीलिंग ओवगी कि हम पुरे बन्दर है। यहां भक्ति मांग का सारा अंहकार ही टूट पड़ता है। गायन भी है ज्ञान भक्ति और वेराग। ज्ञान ब्रह्मा का दिन, भक्ति ब्रहमा की रात आत्मा को वेराग आया है कि इस गन्दी दुनियां में रहना नही है। 84जन्मों के चक्र का भी तुमको पता है। फखुर होना चाहिये। बेहद का बाप टीचर गुरु हमको पढ़ाते है। हम उनके ही साथ बेठे है। तो कितना नशा होना चाहिये। तुम शिव बाबा पास ब्रहमा दादा पास बेठे हो। बाकी शंकर के पास बैठ कर क्या करेंगे। उंच ते उंच है शिव बाबा। ब्रहमा दवारा पढा रहे है। विष्णु तो है ऐम आब्जेक्ट। हम विष्णु पुरी के मालिक बन रहे है। खुशी मे डांस करते रहना चाहिये। बाप कहते है बडा खबरदार रहना है। समझते है कि बाबा को थोडे पता पड़ता है कि हम विकार मे जाते है। बाप को तो यह जानने की दरकार भी नही है। तुम अपनी ही दुर्गति करते हो। देह्तीन मास हुये है विकार मे गये। फिर ऐस को यहां आने का भी हुक्म नही है। अगर ले आती है तो टीचर पर भी असर पड़ता है। गिरने वाले आपना ही बहुत नुकसान कर लेते है। अच्छे बच्चों को तो अपना जीवन बनाना चाहिये। आजकल तो देखो विरव बिगर रह नही सकते है। माया का पाम्प है नां। बांम्ब2 बनाते रहते है। मनुष्य समझते है कि यह तो स्वर्ग है। साइंस का पाम्प है नां। यह साइंस तो तुम्हारे ही काम मे आनी है। शिव बाबा हमको पढ़ाते है। वो ही ज्ञान का सागर शान्ति का सागर है। विश्व पर शान्ति की परॉइज़ तुम ले रहो हो श्रीमत से। कितनी कीमती पराईज़ है। जितना उंच सर्विस करेंगे उतना उंच पद मिलेगा। हर एक को तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है। योगबल से तुम विश्व पर विजय पा सकते हो। उनको लड़वा कर बादशाही तुमको देते है। क्योंकि उन्होने ही छीनी है। फिर वापस तुमको मिलती है। ओम

रही हुई पुआईन्टः —इस यज्ञ मे कितने विघ्न पड़ते है। आखरीन मे भी सब विदवानो आद को तुमने ही बाण मारने है। बाबा ने कहा है कि शंकराचार्य को भी तुम जाकर समझा सकते हो। ड्रामा मे तुम्हारा पॉट है। आगे चल कर यह भी होना है। पुरुषार्थ करते रहो। बाप कहते है कि यह पतित शरीर है। जिनमे हमेन प्रवेश किया है यह है नम्बरवन पतित फिर इनको ही नम्बरवन पावन बनना है। बाप प्रतिज्ञा देते है कि मेरे को याद करते रहने पर ही अपने पापो को भस्म कर सकेंगें। और कोई उपाय ही नही है पावन होने का। बाप कहते है कि भल घूमो फिरो विलायत मे जाओ, ऐरोप्लेन मे जाओं सिर्फ मुझे याद करते रहो। कोई भी देह धारी को याद नही करना है। मुझे ही याद करने से तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। कहीं रहो कहीं जाओ मगर पतित नां बनना है। यही है बडी ते बडी बात। गुड मार्निंग

डायरेक्शनः—— बाप-दादा कहते हैं कि बनारस मे नया सेन्टर कम म्यूज़ियम खुल रहा है। बनारस तो बहुत अच्छा युध की मेदान है। वहां पर सर्विस करने लिये जो सर्विस बुल बच्चियां तैयार हो तो नाम लिख कर भेज सकती है कि मे मास दो मास के लिये जा सकती हूं। विदाई